www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 340 || लखनऊ
मंगलवार
17 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:14
सूर्यास्तः 06:16
अधिकतमः 34:00
न्यूनतमः 19:00

पेज 03

विशेष समाचार
ईरान-इज़राइल युद्ध का मेटा... >> पेज 02
मरीजों के साथ लाइन में लगे डिप्टी... >> पेज 04
गोविंदा अब भी बेस्ट एक्टर : डेविड

माफियाओं की जमीन पर गरीबों की बसाहट

योगी बोले- माफिया को ब्याज चुकाना पड़ेगा, आवास के लिए 900 करोड़ जारी

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

CM योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश के 90 हजार शहरी लोगों को घर बनाने के लिए 900 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। इस दौरान CM ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा, 2017 से पहले माफियाओं ने हर जिले में जमीनों पर कब्जा किया था। इनमें से कुछ खाली करा ली गई हैं। अभी भी बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा है। उन्हें भी खाली कराएं और वहां गरीबों के लिए हाईराइज बिल्डिंग बनवाएं। साथ ही वहां अलग-अलग ग्रुपों जैसे- वकील, टीचर, डॉक्टर और पत्रकारों के लिए सस्ते मकान बनाएं। जरूरत पड़े तो उन माफियाओं की संपत्ति जब्त करो, उसी से ये निर्माण कराओ। आखिर माफिया जो शोषण किया है, उसका ब्याज भी तो उसे चुकाना होगा। योजना के तहत लाभार्थियों को पहली किस्त के रूप में 1 लाख की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। PMAY-U 2.0 के तहत प्रति लाभार्थी कुल 2.50 लाख की सहायता दी जाती है। इनमें केंद्र से 1.5 लाख और राज्य से 1 लाख शामिल हैं। यह राशि 3 किस्तों में मिलती है।

>> (शेष पेज 04 पर)

90,000 लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रथम किस्त की अनुदान राशि का अंतरण किया

सहारनपुर की महिला से योगी बोले- आपके मकान में पति किराएदार

CM ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 की शुरुआत की। एक सिंगल क्लिक के जरिए 90 हजार लाभार्थियों को पहली किस्त मिली है। CM ने 15 लाभार्थियों को सर्टिफिकेट भी दिया। CM ने 6 महिला लाभार्थियों से बात की। हल्के-फुल्के अंदाज में सहारनपुर की सुनीता से कहा, आपका पति वहां किराएदार है।

- सीएम योगी ने 6 लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की। 15 अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट दिए।
- अवधी भाषा में डिप्टी सीएम ने कौआ-कोयल की कहानी सुनाई। सपा की तुलना कौए से की।

डिप्टी सीएम ने सपा वालों की तुलना कौए से की

✦ डिप्टी CM ब्रजेश पाठक ने अवधी भाषा में कौए और कोयल की कहानी सुनाई। सपा वालों की कौए से तुलना की। कहा, ये रहे तो मतलब अपशगुन है।
✦ नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा, दो महीने पहले इसी तरह के एक कार्यक्रम में 2.09 लाख शहरी परिवारों को एक क्लिक कर पैसे ट्रांसफर किए गए थे। तब कई परिवार वंचित रह गए थे। ऐसे परिवारों को शामिल करने के लिए 90 हजार और परिवारों को राशि ट्रांसफर की जा रही है।
✦ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, जून 2015 में ये योजना आई थी। पौने दो साल तक सपा की सरकार रही, लेकिन एक भी मकान सपा वालों ने इस कारण नहीं दिया कि इसका श्रेय भाजपा को मिलेगा।

योगी ने कहा- माफिया की जमीनों पर वकील, टीचर, डॉक्टर, पत्रकारों के लिए सस्ते मकान बनवाएं

योगी ने कहा, नीयत साफ होती है तो नियंता भी मार्ग प्रशस्त करता है। पहले की सरकार स्वयं और परिवार के बारे में ही सोचती थी। केवल नारे लगाते थे। आज भी नारे लगाकर गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। बहकावे में नहीं आना है। ये डबल इंजन की सरकार आपकी अपेक्षा के अनुरूप काम करेगी। मैंने पांच-छह जनपदों में संवाद किया। वे परिवार कितना खुश थे। बहनें कितनी खुश थीं। उन्हें आवास मिल गया। पहली किस्त उनके खाते में चली गई। 75 फीसदी काम पूरा होते ही आप फिर से डिमांड करें। सस्ते में मकान मिल सके, नोडल अधिकारी नियुक्त करें। नए शौचालय बनें।

> सीएम ने कहा, हर जिले में माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराते हुए जमीनों को हाईराइजिंग बिल्डिंग बनाकर मकान गरीबों को दें। अधिवक्ताओं, पत्रकारों के लिए भी मकान बनें। हर नगर में सस्ते में आवास उपलब्ध होने चाहिए। हर नगर और जनपद स्तर पर ऐसा होना चाहिए। माफिया की संपत्ति जब्त करके इसे बनाना चाहिए। शोषण करने वालों पर इसी तरह की कार्रवाई करनी चाहिए।

योगी बोले- पहले कोई स्ट्रीट वेंडर के बारे में सोचता नहीं था

योगी ने कहा, आज यूपी बीमारू राज्य से उबरा है। आज यूपी देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है। गरीब को मकान भी मिल रहा है। राशन भी मिल रहा है। नवरात्रि से पहले आवास की सौगात मिली है।

सीएम ने कहा, हमारे वित्त मंत्री के पास खुद का घर नहीं

योगी ने कहा, तकनीक के चलते बीच में लेन-देन कोई नहीं कर सकता है। पैसा हमने वित्त मंत्री से लिया। सभी के खाते में पैसे भेज दिए। वित्त मंत्री के पास खुद का मकान नहीं है। मतलब सबसे पहले गरीब को योजना का लाभ मिलेगा।

‘पहले जो टैंकर जब्त किए हैं, उन्हें छोड़ो’

होर्मुज से सुरक्षित रास्ता मांगने पर ईरान ने भारत के सामने रखी शर्त

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। ईरान ने भारत से फरवरी में जब्त किए गए तीन टैंकर छोड़ने की मांग की है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने की बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठा। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने भारत से कुछ दवाइयों और मेडिकल उपकरणों की सप्लाई की भी मांग की है। इस मुद्दे पर ईरान के राजदूत ने सोमवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात कर चर्चा की। भारत ने फरवरी में एस्फाल्ट स्टार, अल जाफिजया और स्टेलर रूबी नाम के तीन टैंकर जब्त किए थे। आरोप है कि इन जहाजों ने अपनी पहचान छिपाई और समुद्र में अवैध शिप-टू-शिप ट्रांसफर में हिस्सा लिया था। फिलहाल ये टैंकर मुंबई के पास लंगर डाले हुए हैं। भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का गुजरना बेहद अहम है।

>> (शेष पेज 04 पर)

नमाजियों को सुरक्षा दें, संख्या सीमित न करें

डीएम-एसपी से कहा था- कानून नहीं संभाल सकते तो इस्तीफा दें

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। संभल की एक मस्जिद में नमाजियों की संख्या सीमित करने के जिला प्रशासन के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। कोर्ट ने राज्य सरकार को नमाज के समय सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने का आदेश दिया है। जस्टिस अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति नमाज में बाधा डालता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने फैसला संभल के रहने वाले मुनाजिर खान की याचिका पर सुनाया। याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने संभल DM और SP को फटकार लगाई थी। कहा था- प्रशासन मस्जिद में नमाजियों की संख्या सीमित नहीं कर सकता। अगर डीएम राजेंद्र पेंसिया और एसपी केके विश्नोई को लगता है कि वे कानून व्यवस्था नहीं संभाल पा रहे, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर ट्रांसफर करवा लेना चाहिए।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

ओडिशा-कटक के सरकारी हॉस्पिटल में आग

कटक। ओडिशा में कटक के श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार रात करीब 3 बजे आग लग गई। हादसे में 10 मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, 3 की मौत इलाज के दौरान हुई। आग पहली मंजिल पर ट्रॉमा केयर के ICU में लगी थी। यहां करीब 23 मरीज भर्ती थे। उन्हें बचाने में अस्पताल के कम से कम 11 कर्मचारी झुलस गए।

वांगचुक की रिहाई के दो दिन बाद लेह में रैली

लेह (लद्दाख)। लद्दाख के लेह शहर में सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। वहीं कारगिल में बंद रखा गया। यह रैली पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के दो दिन बाद हुई। सितंबर 2025 में लेह में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। इसमें पुलिस फायरिंग में 4 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद यह पहली रैली है। यह बंद और रैली लेह एपेक्स बॉडी (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) के आह्वान पर किया गया। इन संगठनों की मुख्य मांगें लद्दाख को राज्य का दर्जा देना और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना हैं। वांगचुक को करीब छह महीने तक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में रखा गया था।

पूर्व पीएम देवगौड़ा ने राहुल के प्रदर्शन की आलोचना की

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडी(एस) नेता एचडी देवगौड़ा ने संसद में विपक्ष के हंगामे के तरीके को लेकर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को लेटर लिखा है।
उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना संसद उनके विरोध की आलोचना की।संसद परिसर में सीढ़ियों पर बैठकर चाय-नाश्ते के साथ प्रदर्शन करना संस्थान की गरिमा को कम करता है।

ममता की दोनों सीटों पर लड़ेंगे सुवेंदु

बीजेपी ने नंदीग्राम-भवानीपुर से टिकट दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता/तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली लिस्ट में 144 उम्मीदवारों के नाम हैं। पार्टी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भबानीपुर से टिकट दिया है। ये दोनों सीटें बंगाल की CM ममता बनर्जी की हैं। सुवेंदु अधिकारी ने 2021 विधानसभा चुनाव में ममता को नंदीग्राम सीट से हराया था। नंदीग्राम में हार के बाद ममता भबानीपुर से उपचुनाव जीती थीं। भबानीपुर सीट TMC का मजबूत गढ़ मानी जाती है। ममता 2011 से 2021 तक लगातार यहां से विधायक रही हैं। भाजपा ने डायमंड हार्बर से दीपक कुमार हालदार को टिकट दिया है। यह इलाका ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के लोकसभा क्षेत्र डायमंड हार्बर में आता है। अभी यहां से TMC के पन्नालाल हलदर विधायक हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

बिहार की 5 राज्यसभा सीटों पर एनडीए की जीत

महागठबंधन के 4 विधायक नहीं पहुंचे, भाजपा को फायदा, वोट विवाद पर हरियाणा में काउंटिंग रुकी

वोटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। NDA ने बिहार की सभी पांचों राज्यसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ऐलान किया है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। ओडिशा में काउंटिंग जारी है। हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान दो कांग्रेसी विधायकों के वोटों पर आपत्ति के बाद काउंटिंग रोक दी गई। जानकारी के अनुसार बीजेपी के गौरव गौतम और किशन बेदी ने इन दोनों वोटों पर आपत्ति जताई। तीनों राज्यों में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। बिहार और ओडिशा में मतदान के दौरान कांग्रेस विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने माना है कि कांग्रेस विधायक दाशरथी गमांग, सोफिया फिरदोस और रमेश जेना ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया है। बिहार में NDA के सभी 202 विधायकों ने वोट डाले हैं। जबकि महागठबंधन की तरफ 37 विधायकों ने ही वोट डाले हैं। कांग्रेस के तीन और आरजेडी के एक विधायक ने वोट नहीं डाला। हरियाणा में 90 विधायक में से 88 विधायकों ने वोट डाला। इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) के दोनों विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे। हरियाणा की दो राज्यसभा सीटों के लिए विधानसभा के कमेटी रूम में वोटिंग चल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पहला वोट डाला। दोपहर डेढ़ बजे तक करीब 70 वोट पोल होने की जानकारी बाहर आई। राज्य में 2 विधायकों वाली इनेलो ने वोटिंग पर सस्पेंस बरकरार रखा है। वोट डालने या न डालने को लेकर पार्टी की बैठक चल रही है। शाम 4 बजे तक वोटिंग होनी है। 5 बजे काउंटिंग शुरू होगी। 10 राज्यों की जिन 37 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें 7 राज्यों की राज्यों की 26 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं। एनडीए और विपक्ष को 13-13 सीटें मिली हैं। 26 में से पहले एनडीए के पास 8 सीटें थीं। अब चुनाव होने के बाद एनडीए के पास 13 सीटें हो जाएंगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

नीतीश कुमार और नितिन नवीन को 44-44 वोट मिले

जानकारी के अनुसार, चुनाव में बिहार के CM नीतीश कुमार और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन को 44-44 वोट मिले। वहीं रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा को 42-42 वोट मिले हैं। 5वीं सीट के लिए पहली वरीयता में बीजेपी कैंडिडेट शिवेश राम को 30 वोट मिले थे। हालांकि दूसरी वरीयता में शिवेश राम ने RJD के एडी सिंह को हरा दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा- चुनाव की निष्पक्षता और पवित्रता में हस्तक्षेप करने की स्पष्ट कोशिश की जा रही है और इसे चुनाव आयोग को तुरंत रोकना या ठीक करना चाहिए। इसके अलावा, हमारे वैध मतदाताओं या डाले गए वोटों को अयोग्य ठहराने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह पूरी तरह से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने और पटरी से उतारने का प्रयास है।

मरम्मत : 5 फीट गहरा गड्ढा, खर्च अधिक होने के कारण नहीं शिफ्ट की थी सीवर लाइन

उद्घाटन के 2-दिन बाद ग्रीन कॉरिडोर की सड़क धंसी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर की सड़क धंस गई। बीरबल साहनी मार्ग स्थित खाटू श्याम मंदिर के सामने सड़क में करीब 5 फीट गहरा गड्ढा हो गया। गड्ढा सीवर लाइन में लीकेज की वजह से हुआ। घटना के बाद नगर निगम की कार्यदायी संस्था स्वेज इंडिया की तरफ से मरम्मत की जा रही है। सीवर लाइन की मरम्मत करने वाले इंजीनियर्स का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान मिट्टी को कंप्रेस करने के समय में ज्वाइंट में लीकेज हुआ था। लीकेज बढ़ने से सड़क धंस गई। बता दें कि जलकल विभाग ने ग्रीन कॉरिडोर बनने के समय ही इस सीवर लाइन को थोड़ा शिफ्ट कराने की सलाह दी थी। खर्च अधिक होने के कारण सीवर लाइन शिफ्ट नहीं की गई। जलकल विभाग की तरफ से ग्रीन कॉरिडोर बनने के समय में ही सीवर लाइन शिफ्टिंग को लेकर सलाह दी गई थी, लेकिन काम की जल्दबाजी में इसे नजरअंदाज कर दिया गया। इसके चलते अब सड़क पर दबाव बढ़ने के बाद यह दुर्घटना हुई है। जलकल विभाग के जीएम कुलदीप सिंह ने बताया- कुकरैल पंपिग स्टेशन की तरफ से बड़ी सीवर लाइन जा रही है। इस सीवर लाइन को शिफ्ट करने को लेकर भी बात हुई थी। लेकिन, बड़ी लाइन होने के चलते खर्च अधिक आता। इसके चलते इस पर काम नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि लाइन में लीकेज के कारण सड़क का हिस्सा धंस गया। रविवार दोपहर में मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वेज इंडिया की टीम मौके पर पहुंचकर सड़क मरम्मत का काम कर रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से एक प्रेसनोट जारी कर बताया गया कि यह सड़क ग्रीन कॉरिडोर के पास की नहीं है। इसका कॉरिडोर निर्माण से कोई संबंध नहीं है। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा के नेतृत्व में टीम ने निरीक्षण भी किया। एलडीए ने स्पष्ट किया कि ग्रीन कॉरिडोर सुरक्षित है और वहां यातायात सुचारु रूप से चल रहा है। ग्रीन कोरिडोर में सीवर पाइप लाइन के जॉइंट में गैप हुआ था, जिसकी वजह से रिसाव हो रहा था।

> यह सड़क बीरबल साहनी मार्ग से न्यू हैदराबाद पुलिस चौकी की ओर जाने वाले रैंप के पास की है। सीवर पाइप लाइन में लीकेज की शिकायत पर वहां जल निगम मरम्मत कार्य कर रहा है। प्रेसनोट में कहा गया- सड़क पर गड्ढा होने वाली जगह ग्रीन कॉरिडोर की साइड पटरी के पास है।

स्वेज इंडिया की टीम मौके पर पहुंचकर सड़क मरम्मत का काम कर रही है।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-डीजीपी को हटाया

कोलकाता पुलिस कमिश्नर समेत 6 अधिकारी बदले

तबादला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के IAS दुष्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को DGP बनाया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद कोलकाता पुलिस कमिश्नर नियुक्त हुए हैं। राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की IAS अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और IGP (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल के अलावा तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

सम्पादकीय

सोनम वांगचुक की रिहाई के मायने

क्या राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा भी अब भाजपा की सुविधा के अनुसार तय होगी, यह गंभीर सवाल पर्यावरण कार्यकर्ता और मैगसेसे पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक की रिहाई के फैसले के बाद उठा है। 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। पहले तो यह सरकार यह बताने ही तैयार नहीं थी कि वे किस जेल में रखे गए हैं। फिर बताया गया कि वे जोधपुर जेल में हैं। सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाया था। लेकिन शनिवार को अचानक मोदी सरकार को यह ज्ञान प्राप्त हुआ कि अब वांगचुक देश की सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं और उनकी रिहाई का आदेश दिया गया। पहले तो यह बात समझ से परे थी कि अपने राज्य के हक की बात करने में देश की सुरक्षा को कैसे खतरा हो सकता है। बता दें कि 2019 में जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग करने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला मोदी सरकार ने लिया था। तब वहां की जनता को भरोसा दिलाया गया था कि अब उन्हें अच्छे से हक मिलेंगे और उनके राज्य की तरक्की होगी। लेकिन लद्दाखी जनता से किए वादे केंद्र सरकार ने पूरे नहीं किए और न ही उनकी मांगों का अब तक कोई समाधान निकाला गया। लद्दाख के लोगों की कुछ प्रमुख मांगें हैं, जैसे-लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्रों की सुरक्षा मिले। लेह और करगिल दोनों के लिए अलग-अलग परिषद हों और सरकारी नौकरियों की खाली जगहें भरी जाएं। इन्हीं मांगों को लेकर सोनम वांगचुक बीते साल से अलग-अलग मौक़ों पर आमरण अनशन और दिल्ली तक मार्च कर चुके हैं। अक्तूबर 2024 में उन्होंने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे छठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लद्दाख से दिल्ली तक पैदल मार्च निकाला था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने सिंधु बॉर्डर से उन्हें हिरासत में ले लिया था। साल 2025 में इसी मांग को लेकर 35 दिन की उनकी भूख हड़ताल के 15वें दिन 24 सितंबर को लेह में आंदोलन हिंसक हो गया जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी और तक़रीबन 50 लोग घायल हुए थे। इसके लिए सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराते हुए और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए हिरासत में लिया गया। Also Read - ऊर्जा संकट में फंसा देश उनकी हिरासत पर सवाल उठाते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि जे एंग्मो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन इस पर सरकार बार-बार टालमटोल कर रही थी। आखिरकार न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने कह दिया था कि वे 17 मार्च को इस पर अंतिम सुनवाई करेंगे। पीठ ने यह भी कहा था कि सोनम वांगचुक के भाषणों के वीडियो इस बृहस्पतिवार को देखेंगे और उन्होंने रजिस्ट्रार से स्क्रीनिंग की व्यवस्था करने को कहा था। हालांकि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख प्रशासन की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने कहा था कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अस्वस्थ हैं और उन्होंने मामले में सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया है। लेकिन वांगचुक की पत्नी एंग्मो की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि मामले में बार-बार स्थगन से देश में 'गलत संदेश' जा रहा है। इसके बाद न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने कहा, 'हम यह बिल्कुल स्पष्ट कर रहे हैं कि चाहे कुछ भी हो, हम अंतिम सुनवाई के बाद अगले मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रखेंगे। हम किसी भी नये बिंदु पर बहस की अनुमति नहीं देंगे और सॉलिसिटर जनरल, केवल कपिल सिब्बल द्वारा अपने जवाबी तर्क में उठाए गए नये बिंदुओं पर बहस कर सकते हैं।' बता दें कि सोनम वांगचुक के भाषणों में ही केंद्र सरकार को देशविरोधी साजिश नजर आ रही थी। लेकिन इससे पहले कि अदालत इन्हें सुनकर कोई राय बनाती, सरकार ने पहले ही वांगचुक की रिहाई का आदेश दे दिया। कानूनी तौर पर यह उनकी पत्नी और समर्थकों के लिए बड़ी जीत है। लेकिन यहां चिंता की एक बड़ी बात यह है कि आखिर भाजपा अपनी सुविधानुसार कब तक लोगों के अधिकारों के साथ ऐसा खेल करेगी। मोदी सरकार को सोनम वांगचुक के भाषण पसंद नहीं आए तो उन्हें जेल में डाल दिया, फिर लगा होगा कि एक साथ विरोध के कई मोर्चे खुल गए हैं। एक तरफ ईरान जंग के कारण देश में ईंधन का संकट है, दूसरी तरफ एपस्टीन फाइल्स पर विपक्ष के सवाल हैं, इनके बीच पांच राज्यों के चुनाव भी हैं, तो वांगचुक की रिहाई कर अपने लिए थोड़ी आसानी शायद भाजपा ने बनाई है। इसी तरह पंजाब चुनाव के फायदे को ध्यान में रखकर अरविंद केजरीवाल पर लगे सारे आरोप भी खारिज हो गए। इसमें फैसला भले अदालत ने दिया, लेकिन आबकारी घोटाले में सबूत पेश करने का काम जांच एजेंसी का था, जो उसने नहीं दिए। अब शायद किसी दिन उमर खालिद की रिहाई भी संभव हो जाए, क्योंकि उन्हें भी पांच सालों से कैद रखा गया है और बार-बार जमानत टलवाई जा रही है। वैसे वांगचुक की रिहाई के लिए सरकार ने काफी सोच समझ कर कारण सामने रखा है, सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'सरकार लद्दाख में विभिन्न हितधारकों और समाज के नेताओं के साथ सक्रिय रूप से संवाद कर रही है ताकि क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं और चिंताओं का समाधान किया जा सके।

ईरान-इज़राइल युद्ध का मेटा-इकोनॉमिक्स इफ़ेक्ट

> भारत के लिए यह समय है कि वह दीर्घकालिक रणनीतियों पर और अधिक ध्यान दे ऊर्जा आत्मनिर्भरता, अक्षय ऊर्जा का विस्तार, आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण, रणनीतिक ऊर्जा भंडारण और आर्थिक जोखिम प्रबंधन।

दुनिया में होने वाले युद्ध अक्सर हमें भौगोलिक रूप से दूर लगते हैं। सुबह अख़बार या टीवी पर कोई व्यक्ति मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष की खबर सुनता है, उसे एक विदेशी घटना मानता है और अपने दैनिक काम पर निकल जाता है लेकिन कुछ ही दिनों या हफ्तों में वही व्यक्ति महसूस करता है कि पेट्रोल महँगा हो गया है, टैक्सी का किराया बढ़ गया है, बाहर खाना महँगा हो गया है और घर के किचन का बजट भी बदल गया है। यही वह क्षण है जब एक दूरस्थ भू-राजनीतिक घटना मेटा-इकोनॉमिक्स प्रभाव के रूप में हमारे जीवन में प्रवेश करती है। जब कोई घटना आर्थिक व्यवस्था को इस तरह प्रभावित करती है कि उसका असर केवल प्रत्यक्ष पक्षों तक सीमित नहीं रहता बल्कि उससे जुड़े दूरस्थ क्षेत्रों और अप्रत्यक्ष तंत्रों तक फैल जाता है, तो उसे मेटा-इकोनॉमिक्स प्रभाव कहा जा सकता है। "मेटा" का अर्थ है परे या मूल व्यवस्था से आगे, यानी वह स्तर जहाँ किसी घटना का प्रभाव अपने मूल स्रोत से निकलकर पूरे आर्थिक इकोसिस्टम में फैलने लगता है। आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में देश, बाजार, ऊर्जा संसाधन, तकनीक, वित्तीय प्रणाली और आपूर्ति श्रृंखलाएँ इतनी गहराई से जुड़ी हुई हैं कि किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ झटका पूरी दुनिया में आर्थिक तरंगें पैदा कर सकता है। दरअसल यह विचार बिल्कुल नया भी नहीं है। भारतीय चिंतन में सनातन अर्थशास्त्र इसी सिद्धांत की ओर संकेत करता है कि कोई भी तत्व अकेला अस्तित्व नहीं रखता। हर घटना, हर इकाई और हर व्यवस्था एक परस्पर जुड़ी हुई प्रणाली का हिस्सा है। इसलिए आर्थिक घटनाओं को केवल सरल कारण-परिणाम के सूत्र से नहीं समझा जा सकता। वे सामाजिक, राजनीतिक, तकनीकी और पारिस्थितिक शक्तियों की संयुक्त अंतःक्रिया से उत्पन्न होती हैं। ईरान-इज़राइल-अमेरिका के बीच चल रहा तनाव इसी मेटा-इकोनॉमिक्स प्रभाव का एक जीवंत उदाहरण है। आज के कनेक्टेड दुनिया में युद्ध का प्रभाव युद्धक्षेत्र से बहुत आगे तक होता है. जब अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर सैन्य कार्रवाई की गई तो यह केवल तीन देशों के बीच की घटना नहीं रही। इसके प्रभाव वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में तरंगों की तरह फैलने लगे। आज की दुनिया में हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में वैश्विक आर्थिक तंत्र से जुड़ा हुआ है। उदाहरण के लिए भारत में एक छोटा रेस्टोरेंट चलाने वाला व्यक्ति शायद यह नहीं सोचता कि मध्य-पूर्व में चल रहा युद्ध उसके व्यवसाय को प्रभावित कर सकता है लेकिन कुछ ही समय में वह पाता है कि गैस सिलेंडर महँगा हो गया है, खाद्य सामग्री की कीमतें बढ़ गई हैं और ग्राहकों की संख्या कम हो गई है। यही वैश्विक आर्थिक "इंटैंगलमेंट" है एक ऐसा जाल जिसमें दुनिया की लगभग हर अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। इसका प्रभाव केवल उस तक ही नहीं यह सौदों को कम कर रही मतलब यह GST और इनकम टैक्स को भी कम कर रही है. आज ऊर्जा वैश्विक अर्थव्यवस्था की धुरी बन गया है. मध्य-पूर्व का महत्व मुख्यतः ऊर्जा संसाधनों के कारण है। आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भर है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 80–85 प्रतिशत तेल आयात करता है, और इसका बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से आता है। विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ विश्व ऊर्जा आपूर्ति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जहाँ से दुनिया के लगभग एक-पाँचवें तेल का परिवहन होता है। यदि युद्ध के कारण इस मार्ग में तनाव या बाधा उत्पन्न होती है, तो उसके प्रभाव तुरंत दिखाई देने लगते हैं. कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, पेट्रोल-डीजल और गैस महँगे हो जाते हैं, परिवहन लागत बढ़ती है, निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएँ महँगी हो जाती हैं और अंततः खाद्य तथा उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने लगती है। इस प्रकार मध्य-पूर्व का युद्ध धीरे-धीरे दूर बैठे परिवारों की रसोई तक पहुँच जाता है। युद्ध केवल ऊर्जा बाजार को ही प्रभावित नहीं करता। आधुनिक अर्थव्यवस्था जटिल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर आधारित है। यदि किसी क्षेत्र में सैन्य तनाव बढ़ता है, तो समुद्री मार्गों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है, शिपिंग बीमा महँगा हो सकता है, जहाजों को लंबा मार्ग अपनाना पड़ सकता है और माल ढुलाई की लागत बढ़ सकती है। इन सबका प्रभाव मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, एविएशन और वैश्विक व्यापार पर पड़ता है। परिणामस्वरूप महँगाई बढ़ती है और कई बार आर्थिक गतिविधियों में मंदी की आशंका भी बढ़ जाती है। केंद्रीय बैंक महँगाई नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरें बढ़ा सकते हैं, जिससे आम लोगों की EMI तक प्रभावित हो सकती है। आज मेटा-इकोनॉमिक्स प्रभाव केवल संसाधनों तक सीमित नहीं है यह तकनीकी निर्भरता में भी दिखाई देता है। उदाहरण के लिए वैश्विक विमान निर्माण उद्योग मुख्यतः दो कंपनियों बोइंग और एयरबस के हाथों में केंद्रित है। यदि भू-राजनीतिक कारणों से इन कंपनियों द्वारा किसी देश को विमान या स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति रोक दी जाए तो उस देश की एविएशन इंडस्ट्री गंभीर संकट में पड़ सकती है जैसा कि ईरान प्रभावित है। आज ईरान को पुराने जहाजों से ही काम चलाना पड़ता है. यह उदाहरण बताता है कि आधुनिक विश्व में आर्थिक शक्ति केवल संसाधनों या बाजार से नहीं बल्कि तकनीकी नियंत्रण और औद्योगिक प्रभुत्व से भी निर्धारित होती है। भारत और ईरान के बीच सभ्यता के शुरू से ही व्यापारिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध रहें हैं. भारत के लिए ईरान-इज़राइल संघर्ष केवल एक विदेशी राजनीतिक घटना नहीं है। इसका असर कई स्तरों पर दिखाई दे सकता है। सबसे पहले ऊर्जा आयात महँगा होने से भारत का ऊर्जा आयात बिल बढ़ सकता है। इससे चालू खाता घाटा बढ़ने और रुपये पर दबाव आने की संभावना रहती है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि महँगाई को बढ़ा सकती है, जिससे परिवहन, खाद्य और निर्माण लागत प्रभावित होती है। उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक गतिविधियाँ धीमी हो सकती हैं। वैश्विक तनाव बढ़ने पर विदेशी निवेशक जोखिम से बचने लगते हैं, जिससे शेयर बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त मध्य-पूर्व में काम कर रहे लगभग 80–90 लाख भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा और रोजगार भी एक महत्वपूर्ण चिंता बन सकता है। यदि क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है तो भारत में आने वाले रेमिटेंस पर भी प्रभाव पड़ सकता है। यह युद्ध भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है. ईरान-इज़राइल-अमेरिका संघर्ष हमें यह याद दिलाता है कि आधुनिक वैश्विक व्यवस्था में कोई भी देश पूर्णतः अलग-थलग नहीं रह सकता। किसी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव ऊर्जा बाजारों, व्यापार मार्गों, वित्तीय बाजारों और महँगाई के माध्यम से पूरी दुनिया में फैल जाता है।

पंकज जायसवाल

तेजस्वी यादव ने ...

पंकज जायसवाल

केरल में कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करेंगे तेजस्वी!

बिहार में राज्यसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एक ऐसा राजनीतिक बयान दिया है, जिससे विपक्षी राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि उनकी पार्टी केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के साथ मिलकर तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। तेजस्वी यादव के इस बयान को कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि केरल में कांग्रेस वाम दलों के खिलाफ मुख्य विपक्षी भूमिका में रहती है। ऐसे में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना कांग्रेस के साथ राजनीतिक दूरी का संकेत माना जा रहा है। बताया जाता है कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की है . गौरतलब है कि सोमवार (16 मार्च) को बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए मतदान होना है. ऐसे में राज्य की पांचवीं सीट को लेकर खींचतान देखी जा रही है. इस सीट पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और बहुजन समाज पार्टी किंगमेकर की भूमिका में दिखाई दे रही है. दोनों ही दलों का समर्थन एनडीए या महागठबंधन को मिला तो उसी की जीत होगी. ऐसे में ओवैसी और बीएसपी के विधायकों पर सबकी नजर बनी हुई है. तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि केरल में उनकी पार्टी का पहले से आधार रहा है और वहां पहले भी राजद के विधायक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण पार्टी ने एक बार फिर वहां चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उनका कहना था कि राजद केरल में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि यह गठबंधन फिर से सत्ता में लौटे। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी पार्टी केरल में सीमित सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन गठबंधन के साथ मिलकर काम करेगी। तेजस्वी यादव के इस फैसले का राजनीतिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि केरल में मुख्य मुकाबला वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच होता है। इस स्थिति में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना सीधे तौर पर कांग्रेस के खिलाफ खड़ा होने जैसा माना जा रहा है। बिहार में जहां राज्यसभा चुनाव के दौरान राजद को कांग्रेस के समर्थन की जरूरत है, वहीं दूसरी ओर केरल में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केरल की राजनीति लंबे समय से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच घूमती रही है। एक ओर वाम दलों के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा है, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा है। इन दोनों गठबंधनों के बीच राज्य की सत्ता के लिए लगातार मुकाबला होता रहा है। केरल में लंबे समय तक यह परंपरा रही कि हर चुनाव में सत्ता परिवर्तन होता था और जनता एक बार वाम दलों को तो अगली बार कांग्रेस गठबंधन को सत्ता में लाती थी। इन सब के बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बिहार और केरल की राजनीति में गठबंधनों का समीकरण बहुत अलग है। बिहार में RJD की अगुवाई वाले महागठबंधन में कांग्रेस और वाम दल छोटे सहयोगी की भूमिका में हैं। वहीं केरल में कांग्रेस और CPI(M) के नेतृत्व वाले वाम दल एक-दूसरे के कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। यही कारण है कि जहां बिहार में कांग्रेस और वाम दल एक साथ चुनाव लड़ते हैं, वहीं केरल में दोनों अलग-अलग मोर्चों पर आमने-सामने खड़े होते हैं। ऐसे में RJD का LDF के साथ जाना राजनीतिक रूप से एक दिलचस्प समीकरण बना रहा है। दरअसल, पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव तिथियों की घोषणा ने वामपंथी दलों के लिए राजनीतिक रणभूमि तैयार कर दी है। केरल में अपने एकमात्र मजबूत गढ़ को बचाए रखने और पश्चिम बंगाल में खोई राजनीतिक पकड़ को वापस हासिल करने की चुनौती उनके सामने है, जिससे ये चुनाव उनके लिए न केवल सत्ता की रक्षा बल्कि राजनीतिक पुनरुत्थान की कसौटी भी साबित होंगे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एमए बेबी ने कहा कि वामपंथी दल संगठनात्मक और राजनीतिक रूप से चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं, खासकर केरल में जहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की तैयारी कर रहा है। केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं और इस बार भी राजनीतिक मुकाबला तीन मुख्य मोर्चों के बीच रहने की संभावना है। सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ), जिसे सीपीआई (एम) नेतृत्व दे रही है, विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ), जिसका नेतृत्व कांग्रेस कर रही है, और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसकी अगुवाई भाजपा कर रही है। केरल में कुल 140 विधानसभा सीटें हैं। 2021 के चुनाव में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतीं, कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ को 41 सीटें मिलीं और भाजपा कोई सीट नहीं जीत पाई। 2016 में पार्टी ने पहली बार एक सीट जीती थी। सत्तारूढ़ एलडीएफ की अगुवाई मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कर रहे हैं। एलडीएफ के लिए यह चुनाव तीसरी लगातार बार सत्ता बनाए रखने की परीक्षा है, जो केरल के चुनावी इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। एलडीएफ ने 2021 में सत्ता में वापसी की थी और राज्य में लंबे समय से बदलती सरकार की परंपरा को तोड़ा था।

फिर उसी साल...

सुभाष शिरढोनकर

सनी लियोन वाला किरदार निभाएंगी तमन्ना भाटिया

एकता कपूर की फिल्म 'रागिनी एमएमएस' के तीसरे पार्ट 'रागिनी एमएमएस 3' के लिए एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया का नाम फायनल हो चुका है। सनी लियोन की तरह तमन्ना भी अब इस फिल्म के जरिए अपने हुस्न के जलवे दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शशांक घोष व्दारा डायरेक्ट की जाने वाली इस फिल्म में वह आमिर खान के बेटे जुनैद खान संग रोमांस करते नजर आने वाले हैं। इस डार्क कॉमेडी और म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और फिल्म अगले साल रिलीज होगी। 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में जन्मीं तमन्ना आज बॉलीवुड और फैशन की दुनिया की मशहूर हस्तियों में से एक हैं। रेड कार्पेट से लेकर कैजुअल आउटिंग तक, तमन्ना हर मौके पर स्टाइलिश और ट्रेंडी दिखती हैं। उनके कपड़े हमेशा फैशन ट्रेंड्स के हिसाब से होते हैं और उनका स्टाइल उनकी पर्सनालिटी को और भी निखार देता है। खूबसूरती के मामले में तो वह ऐश्वर्या को कड़ी टक्कर देती है। फिल्मों में कदम रखने से पहले साल 2005 में सिंगर अभिजीत सावंत म्यूजिक वीडियो 'लफ्जों में' में पहली बार तमन्ना भाटिया को नोटिस किया गया था। उसके बाद उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' (2005) से की थी। फिर उसी साल तेलुगु फिल्म 'श्री' (2005) और उसके उसके अगले साल तमिल फिल्म 'केडी' (2006) में काम किया। इसके बाद उनकी तेलुगु फिल्म 'हैप्पी डेज़' और तमिल फिल्म 'कल्लूरी' (2007) आईं। करियर के शुरुआती दिनों में तमन्ना भाटिया ने छोटे मोटे रोल भी किए मगर आगे उनकी मेहनत, टैलेंट और आत्मविश्वास ने उन्हें सिर्फ साउथ ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पहचान दिलाई और देखते ही देखते वह साउथ की फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस बन गईं। तमन्ना भाटिया को सबसे ज्यादा पॉपुलेरिटी पेन इंडिया फिल्म 'बाहुबलीः द बिगिनिंग' (2015) और 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' (2017) से मिली। फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' (2005) के बाद तमन्ना ने 'हिम्मतवाला' (2013), 'हमशकल्स' (2014), 'एंटरटेनमेंट' (2014), 'तूतक तूतक तूतिया' (2016), 'खामोशी' (2019) और 'बबली बाउंसर' (2022) 'प्लान ए प्लान बी' (2022) और 'सिकंदर का मुकद्दर' (2024) जैसी हिंदी फिल्में कीं लेकिन साउथ की तरह उन्हें यहां उतनी कामयाबी नहीं मिल सकी। दूसरी तरफ तमन्ना भाटिया ने जब कुछ हिंदी फिल्मों मे स्पेशल सॉंग अपीयरेंस किया, तब उन पर फिल्माये गये वे डांस नंबर काफी सराहे गये। फिल्म 'हिम्मतवाला' (2013) में अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए उन्होंने 'ताकी ताकी...' किया था। उसके बाद वह फिल्म 'हमशकल्स' (2014) में 'पिया के बाजार में' नजर आई थी। 'स्त्री 2' (2024) के गाने 'आज की रात' में तमन्ना ने अपने डांस मूव्स से जो जलवा बिखरा वह कमाल का था। उसके बाद अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' (2025) के गाने 'नशा' में तमन्ना भाटिया ने अपने डांस मूव्स से फैंस के होश ही उड़ा दिए।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

विशाल खालदे

एलपीजी का विकल्प बने बायोगैस

दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव अब ऊर्जा बाजारों पर भी असर डाल रहा है। एलपीजी की आपूर्ति को लेकर हो रही चर्चाओं ने फिर यह सवाल खड़ा किया है कि क्या देश को ईंधन के मोर्चे पर कुछ और घरेलू स्रोतों को मजबूत करना चाहिए? दरअसल भारत के पास पहले से ही एक ऐसा संसाधन है जिसे अक्सर केवल कचरा समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। यही संसाधन भविष्य में गैस आपूर्ति का एक घरेलू आधार बन सकता है। यह संसाधन है जैविक कचरा, जो खेतों से लेकर शहरों की रसोइयों तक हर जगह मौजूद है। हर साल भारत में बड़ी मात्रा में जैविक कचरा उत्पन्न होता है। इसमें खेतों से निकलने वाला फसल अवशेष, पशुओं का गोबर, शहरों का गीला कचरा और बाजारों से निकलने वाला खाद्य कचरा शामिल है। इन सबका उपयोग बायोगैस और कंप्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए किया जा सकता है। इस गैस का उपयोग खाना पकाने, बिजली बनाने या वाहनों को चलाने में किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टूवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (एसएटीएटी) योजना शुरू की थी। इसका लक्ष्य देश में कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित करना और जैविक कचरे को ईंधन में बदलना है। पिछले कुछ वर्षों में देश में ऐसे कई संयंत्र स्थापित किए गए हैं और उनसे गैस का उत्पादन भी शुरू हो चुका है। यदि इस व्यवस्था को विस्तार दिया जाए, तो इसका प्रभाव केवल शहरों की रसोइयों तक सीमित नहीं रहेगा। यह कृषि, शहरी प्रबंधन, उद्योग और परिवहन सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है। भारत के खेतों से हर साल लाखों टन फसल अवशेष और पशुओं का गोबर निकलता है। इन सामग्रियों को संसाधित करने के लिए बड़े बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। यदि ऐसे संयंत्र गांवों और सहकारी समितियों के माध्यम से विकसित किए जाएं, तो हर साल पर्याप्त मात्रा में गैस का उत्पादन किया जा सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त आय का स्रोत भी बन सकता है। गोबर और कृषि अवशेष से गैस बनाने के कुछ प्रयोग पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पहले ही शुरू हो चुके हैं। किसान अपने पशुओं का गोबर या खेत का अवशेष गैस संयंत्रों तक पहुंचाते हैं और बदले में उन्हें भुगतान मिलता है। संयंत्र में बनने वाली गैस का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है, जबकि अवशेष जैविक खाद के रूप में फिर खेतों में लौट जाता है। इससे एक चक्र बनता है-कचरा खेत से निकलता है और खाद बनकर फिर खेत में लौटता है। ऐसी संभावना शहरों में भी मौजूद है। भारतीय शहरों से सालाना छह करोड़ टन ठोस कचरा निकलता है, जिसमें आधे से अधिक जैविक होता है। यदि इस कचरे को अलग करके बायोगैस संयंत्रों तक पहुंचाया जाए तो काफी मात्रा में गैस तैयार की जा सकती है। इंदौर ने बेहतर कचरा प्रबंधन के साथ बायोगैस परियोजनाओं पर काम किया है, जहां गीले कचरे से ऊर्जा बनाने की पहल हुई है। जमशेदपुर में भी खाद्य कचरे को बायोगैस में बदलने के प्रयोग किए गए हैं। यदि नगर निकाय बाजारों, होटलों और घरों से गीला कचरा व्यवस्थित तरीके से इकट्ठा कर उसे बायोगैस संयंत्रों तक भेजें, तो शहरों को दो लाभ मिल सकते हैं। एक तरफ कचरे की मात्रा कम होगी और दूसरी तरफ गैस का एक स्थानीय स्रोत तैयार होगा। उद्योग क्षेत्र में भी बायोगैस की भूमिका बढ़ सकती है। खाद्य प्रसंस्करण, डेरी या कपड़ा उद्योग जैसे कई छोटे और मध्यम उद्योग जैविक अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। यदि ऐसे उद्योग अपने परिसर में छोटे बायोगैस संयंत्र स्थापित करें, तो वे अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे एलपीजी या अन्य ईंधनों पर होने वाला खर्च भी कम हो सकता है। परिवहन क्षेत्र में भी कंप्रेस्ड बायोगैस का उपयोग बढ़ रहा है। देश में सीएनजी पर चलने वाले वाहन मौजूद हैं और उसी ढांचे में बायोगैस आधारित ईंधन का उपयोग भी किया जा सकता है। कुछ शहरों में आटो-रिक्शा और छोटे ट्रक ऐसे ईंधन का उपयोग करना शुरू कर चुके हैं। हालांकि यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि बायोगैस अचानक भारत की पूरी ऊर्जा जरूरतों को बदल देगी। देश की कुल गैस मांग बहुत बड़ी है, लेकिन यदि कृषि, शहरों, उद्योगों और परिवहन में छोटे-छोटे प्रयास जुड़ते जाएं, तो उनका प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई दे सकता है। उत्साहजनक बात यह है कि अब कई छोटे, विकेंद्रीकृत और आसानी से स्थापित किए जा सकने वाले बायोगैस सिस्टम उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ प्लग-एंड-प्ले माड्यूलर तकनीकों के रूप में आते हैं, जो होटल, बाजार, हाउसिंग सोसायटी या छोटे उद्योगों के स्तर पर ही जैविक कचरे को गैस में बदलने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। परिणामस्वरूप ऊर्जा उत्पादन का माडल धीरे-धीरे बड़े केंद्रीकृत संयंत्रों से हटकर अधिक स्थानीय प्रणालियों की ओर बढ़ सकता है। वर्तमान में भारत में जैविक कचरे का बड़ा हिस्सा बेकार चला जाता है। खेतों में फसल अवशेष जला दिए जाते हैं, शहरों में गीला कचरा लैंडफिल में जमा हो जाता है और रसोई का कचरा शहरों के बाहर डाला जाता है, लेकिन यदि इसी कचरे को एक संसाधन के रूप में देखा जाए, तो तस्वीर काफी अलग हो सकती है। संभव है कि वही कचरा, जिसे आज समस्या माना जाता है, आने वाले समय में भारत के लिए ईंधन का एक छोटा, लेकिन स्थिर स्रोत बन जाए।

कोच जयवर्धने बोले- डे-1 ही सीजन की टोन सेट करता है, 29 मार्च को केकेआर से पहला मैच

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 के लिए कैंप शुरू

ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (MI) ने सोमवार से IPL 2026 के लिए अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। मुंबई में आयोजित इस प्री-सीजन कैंप के पहले दिन खिलाड़ियों ने फिटनेस और कंडीशनिंग पर फोकस किया। हेड कोच महेला जयवर्धने की देखरेख में खिलाड़ियों ने मैदान पर पसीना बहाया। इस कैंप में गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा और पारस म्हाम्ब्रे भी मौजूद रहे। पहले ट्रेनिंग सेशन में शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडे,

अल्लाह गजनफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रोबिन मिन्ज, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मलेवार, मोहम्मद इजहार और अश्विनी कुमार शामिल हुए। सेशन की शुरुआत फिटनेस और कंडीशनिंग ड्रिल से हुई। खिलाड़ियों ने मूवमेंट ड्रिल, एजिलिटी एक्सरसाइज और फिटनेस टेस्ट में हिस्सा लिया। पहले दिन के ट्रेनिंग सेशन की शुरुआत फिटनेस और कंडीशनिंग ड्रिल के साथ हुई। खिलाड़ियों ने मूवमेंट ड्रिल, एजिलिटी एक्सरसाइज और फिटनेस टेस्ट में हिस्सा लिया। कोचिंग स्टाफ ने खिलाड़ियों की फिटनेस पर खास नजर रखी, ताकि लंबे और चुनौतीपूर्ण आईपीएल सीजन के लिए टीम पूरी तरह तैयार रह सके।इस दौरान खिलाड़ियों ने वार्म-अप रनिंग, स्ट्रेचिंग और तेज मूवमेंट से जुड़े अभ्यास किए।

नीलामी के बाद बदली हुई दिख रही है टीम

आईपीएल 2026 के लिए मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा तालमेल बिठाया है। टीम में ट्रेंट बोल्ट की वापसी हुई है, वहीं क्विंटन डी कॉक, मिशेल सेंटनर और विल जैक्स जैसे विदेशी खिलाड़ी टीम को मजबूती दे रहे हैं। दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर के आने से टीम की भारतीय तेज गेंदबाजी यूनिट काफी संतुलित नजर आ रही है।

मलिंगा और म्हाम्ब्रे संभाल रहे हैं गेंदबाजी की कमान

मुंबई इंडियंस ने इस बार अपने सपोर्ट स्टाफ को काफी मजबूत किया है। मैदान पर जयवर्धने के साथ गेंदबाजी कोच के रूप में अनुभवी लसिथ मलिंगा और भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे खिलाड़ियों को टिप्स देते नजर आए। वहीं फील्डिंग कोच कार्ल हॉपकिंसन ने फील्डिंग ड्रिल्स को लीड किया। अगले कुछ दिनों में कप्तान हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों के भी कैंप से जुड़ने की उम्मीद है।

कोच जयवर्धने बोले- पहले दिन की एनर्जी स्पेशल होती है

ट्रेनिंग सेशन में बॉलिंग कोच पारस म्हांब्रे और लसिथ मलिंगा, फील्डिंग कोच कार्ल हॉपकिंसन के साथ स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग और फिजियो टीम भी मौजूद रही। हेड कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि प्री-सीजन का पहला दिन हमेशा खास होता है। खिलाड़ी मैदान पर आते हैं तो टीम में नई ऊर्जा दिखती है और यहीं से पूरे अभियान की दिशा तय होती है। उन्होंने कहा कि टीम में ऐसे खिलाड़ी हैं जो फ्रेंचाइजी को अच्छी तरह जानते हैं, वहीं कुछ नए चेहरे भी शामिल हुए हैं। जयवर्धने के मुताबिक पहला दिन पूरे सीजन की तैयारी का टोन सेट करता है। टीम ने पहले सेशन से ही ट्रेनिंग और तैयारी में पूरा फोकस दिखाने का लक्ष्य रखा है।

अर्जेंटीना-स्पेन के बीच होने वाला फाइनालिसीमा मैच रद्द

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कतर में 27 मार्च को नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाला फाइनलिसिमा मुकाबला रद्द कर दिया गया है। यूरोपीय फुटबॉल संघ (UEFA) ने कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध और सुरक्षा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया। यह मैच 27 मार्च को कतर की राजधानी दोहा में खेला जाना था। इसमें साउथ अमेरिका की चैंपियन अर्जेंटीना और यूरोप की चैंपियन स्पेन आमने-सामने होने वाली थीं। मुकाबले को लियोनेल मेस्सी और लामिन यामल की टीमों के बीच बड़ा मैच माना जा रहा था। मिडिल ईस्ट में ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच जारी संघर्ष और अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के कारण क्षेत्र में स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। पिछले तीन हफ्तों से जारी इस तनाव के बीच कतर में मैच कराना

जोखिम भरा माना गया। UEFA ने कहा कि कतर के आयोजकों के साथ चर्चा के बाद मौजूदा राजनीतिक स्थिति को देखते हुए 27 मार्च को कतर में मैच कराना संभव नहीं है। यह मुकाबला लुसैल स्टेडियम में होना था। इसी मैदान पर 2022 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया था, जिसमें अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब जीता था। उस मैच में मेस्सी ने दो गोल किए थे, जबकि किलियन एम्बाप्पे ने हैट्रिक लगाई थी।

पाकिस्तान ने अंपायर के फैसले पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। मीरपुर में खेले गए तीसरे वनडे में अंपायर के एक फैसले को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने मैच रेफरी नियामुर राशिद से शिकायत की है। पाकिस्तान का कहना है कि ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना ने बांग्लादेश को गलत तरीके से LBW रीव्यू लेने की अनुमति दी। पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट का आरोप है कि बांग्लादेश ने रीव्यू उस समय लिया जब गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था। घटना मैच की आखिरी दो गेंदों से जुड़ी है। उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों में 12 रन चाहिए थे। रिशाद हुसैन की गेंद शाहीन अफरीदी के पास से लेग साइड की तरफ निकल गई, जिस पर अंपायर ने वाइड दे दिया। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और LBW के लिए रीव्यू लिया। पाकिस्तान ने रिव्यू लेने में नियमों का पालन नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया है। पाकिस्तान का कहना है कि जब स्क्रीन पर गेंद के बल्ले के पास से गुजरने का वीडियो दिखाया गया, तभी बांग्लादेशी कप्तान ने अंपायर से रिव्यू लेने की अपील की। जबकि नियमों के अनुसार, DRS का फैसला खिलाड़ी को बिना किसी बाहरी मदद या टीवी फुटेज देखे स्वयं लेना होता है।

फास्ट न्यूज

जंग की वजह से लेबनान में 2 लाख बच्चे बेघर

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। इस बीच इजराइल लगातार लेबनान पर भी हमले कर रहा है। इस वजह से करीब 8 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। अल जजीरा के मुताबिक इनमें 2 लाख से ज्यादा बच्चे हैं। इस वजह से दुबई के कई लोकप्रिय पर्यटन स्थल, किनारे स्थित अल सीफ वॉटरफ्रंट मार्केट और बुर्ज अल अरब जैसे लक्जरी होटलों के पास के समुद्र तटों पर आम दिनों की तुलना में काफी कम पर्यटक दिखाई दे रहे हैं।

सेंसेक्स 743 अंक चढ़कर 75,306 पर बंद हुआ

शेयर बाजार में आज यानी 16 मार्च को तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 1100 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 75,650 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 300 अंक की तेजी है, ये 23,450 पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। IDBI बैंक के शेयर में 15.87 रुपए (17.22%) की गिरावट रही। इसका शेयर 76.31 रुपए पर आ गया है। बाजार में ऐसी खबरें आ रही हैं कि सरकार इस बैंक में अपनी ज्यादातर हिस्सेदारी बेचने का प्लान रद्द कर सकती है। एग्रोकेमिकल कंपनी GSP क्रॉप साइंस का IPO आज यानी 16 मार्च से ओपन होगा।

सोना ₹2 हजार गिरकर ₹1.56 लाख पर आया

सोने-चांदी में आज लगातार दूसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,963 रुपए गिरकर 1.56 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 13 मार्च को सोना 1.58 लाख रुपए प्रति 10g था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 7,695 रुपए घटकर 2.53 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए किलो थी।

गोविंदा अब भी बेस्ट एक्टर : डेविड धवन

कहा- टैलेंट के मामले में उनका कोई मुकाबला नहीं, सेट पर लेट आने का बचाव किया

नई दिल्ली, एजेंसी

डायरेक्टर डेविड धवन ने कहा है कि उनके साथ काम करने वाले एक्टर्स में गोविंदा अब भी बेस्ट एक्टर हैं। डेविड अपने बेटे वरुण के साथ द ग्रेट इंडियन कपिल शो के ग्रैंड फिनाले में मेहमान बनकर पहुंचे हमान बनकर पहुंचे थे। शो के दौरान डेविड ने अपने पुराने दोस्त गोविंदा की जमकर तारीफ की। उन्होंने गोविंदा के सेट पर लेट आने की खबरों पर उनका बचाव किया और और बताया कि काम के टैलेंट के मामले में उनका कोई मुकाबला नहीं है। डेविड धवन ने गोविंदा के सेट पर लेट आने के पुराने विवादों पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, लोग बोलते हैं ना कि वो सेट

पर देर से आता है, आज कौन लेट नहीं आता? वो आता है और अपना काम पूरी तरह खत्म करके जाता है। डेविड ने आगे कहा कि उन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है, लेकिन उन सबमें गोविंदा उन्हें आज भी बेस्ट लगते हैं। वे मुझसे कहते हैं कि अगर गोविंदा यहां होते, तो वे इसे कैसे करते? वे अक्सर मेरी तुलना सलमान खान, गोविंदा और अनिल कपूर से करते हैं। डेविड और गोविंदा ने साथ में 'कुली नंबर 1', 'साजन चले ससुराल' और 'हीरो नंबर 1' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं।

वरुण ने मजाकिया अंदाज में यह भी बताया कि अगर सेट पर कोई एक्टर खराब काम करे, तो डेविड माइक पर ही उसे 'ठंडा एक्टर' बोल देते हैं।

पार्टनर फिल्म का सुनाया दिलचस्प किस्सा

डेविड ने फिल्म 'पार्टनर' की शूटिंग का एक वाकया साझा किया। उन्होंने बताया कि गोविंदा ने चार पन्नों का लंबा सीन सिर्फ एक बार पढ़ा और उसे एक ही टेक में पूरा कर दिया। डेविड ने कहा, आप यकीन नहीं करेंगे, वह चार पन्नों का सीन था। मैंने शॉट सेट करना शुरू किया तो उसने कहा कि अभी सेट मत करो, बस मुझे परफॉर्म करते देखो। उस सीन में उसने ऐसी कलाबाजियां दिखाईं कि मैं दंग रह गया।

वरुण बोले- पापा आज भी ची ची भैया को याद करते हैं

एपिसोड के दौरान वरुण धवन ने बताया कि उनके पिता आज भी गोविंदा के काम के बहुत बड़े फैन हैं। वरुण ने कहा, आज भी जब कोई नया सीन लिखा जाता है, तो पापा को ची ची भैया (गोविंदा) की याद आती है। लेकिन उन सबमें गोविंदा उन्हें आज भी बेस्ट लगते हैं।

यूट्यूबर अनुराग डोभाल की हालत फिर बिगड़ी

देहरादून ले जाते समय सांस लेने में हुई तकलीफ

मुंबई, एजेंसी

पॉपुलर यूट्यूबर अनुराग डोभाल की सेहत एक बार फिर गंभीर हो गई है। अनुराग ने इंस्टाग्राम लाइव में सुसाइड करने की कोशिश की थी। इस दौरान अनुराग रोड एक्सीडेंट का शिकार हो गए थे। उन्हे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 13 मार्च को हालत में सुधार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन देहरादून शिफ्ट करने के दौरान रास्ते में ही उनकी तबीयत दोबारा बिगड़ गई। उन्हें फिर से पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। अनुराग

के मैनेजर रोहित पांडे ने इंस्टाग्राम पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अनुराग एम्बुलेंस में हैं और उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। मैनेजर ने बताया कि डॉक्टरों ने हालत स्थिर देखते हुए डिस्चार्ज किया था, लेकिन घर ले जाते समय अचानक उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। मैनेजर रोहित पांडे ने सोशल मीडिया पर अपडेट देते हुए लिखा, 'कल अनुराग भाई की हालत स्थिर थी, इसलिए हम उन्हें देहरादून लेकर जा रहे थे। लेकिन दुर्भाग्य से रास्ते में ही उनकी कंडीशन खराब हो गई। वह अभी अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहे हैं। उन्हें तुरंत इलाज की जरूरत थी, इसलिए हमने उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया है।' इस विवाद की शुरुआत कुछ दिन पहले हुई थी जब अनुराग ने इंस्टाग्राम पर कई इमोशनल पोस्ट किए थे। 3 मार्च को उन्होंने लिखा था कि उन्हें मेंटली टॉर्चर किया जा रहा है।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प अकेले जंग नहीं रोक सकते, तेहरान के पास अभी भी खेल पलटने की ताकत

ईरान में 15 दिन बाद भी सत्ता नहीं बदली

कार्रवाई

वॉशिंगटन, एजेंसी

दो हफ्ते तक ईरान के खिलाफ युद्ध चलने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही जीत का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि आखिरी परिणाम इस बात पर भी निर्भर करेगा कि ईरान आगे क्या करता है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक अगर ईरान लड़ाई जारी रखता है, जहाजों पर हमले करता है या जवाबी कार्रवाई करता है, तो युद्ध वास्तव में खत्म नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नौसेना का बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है। उसकी कई मिसाइलें खत्म हो चुकी हैं और उसके कई टॉप लीडर्स मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद ट्रम्प के वे बड़े राजनीतिक मकसद अब तक पूरे नहीं हुए हैं जिनकी उन्होंने कई बार बात

की थी। ईरान में अभी भी पुराना शासन ही कायम है। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में तेल के समुद्री रास्ते को बाधित करके वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल मचा दी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान में अभी भी खेल पलटने की ताकत है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पर एक सैनिक के पार्थिव शरीर को सलामी देते हुए। सैनिक सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के हमले में मारा गया था। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पर एक सैनिक के पार्थिव शरीर को सलामी देते हुए। सैनिक सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के हमले में मारा गया था।

अकेले जंग रोककर तेल की बढ़ती कीमतें नहीं रोक सकते ट्रम्प

ईरान ने यह भी दिखाया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमला करने की क्षमता रखता है। इस वजह से यह साफ नहीं है कि अमेरिका अगर अकेले युद्ध रोक भी दे, तो क्या तेल की कीमतों में तुरंत कमी आएगी। ईरानी हमलों ने फारस की खाड़ी के उन देशों के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है जो लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे हैं और जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने भी मौजूद हैं। इसके बावजूद ट्रम्प लगातार यह दावा कर रहे हैं कि युद्ध पर उनका पूरा कंट्रोल है। उन्होंने शुक्रवार को फॉक्स न्यूज रेडियो से कहा कि युद्ध तब खत्म होगा जब उन्हें लगेगा कि अब इसे खत्म करने का समय आ गया है।

अमेरिका में भी दिखने लगा जंग का असर

यह स्थिति ट्रम्प के लिए मुश्किल पैदा करती है, क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के लोग अब उनसे युद्ध खत्म करके अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की मांग कर रहे हैं। इसी साल नवंबर में अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। युद्ध का असर अमेरिका के अंदर भी दिखने लगा है। अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद पेट्रोल की कीमतों में लगभग 25 फीसदी तक बढ़ोतरी हो चुकी है। किसानों के लिए खाद महंगी हो गई है और अमेरिकी सैनिकों की मौत का आंकड़ा भी बढ़कर 13 पहुंच गया है।

परमाणु हथियार और तेजी से बना सकता है ईरान

एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि युद्ध में जीत हासिल करना और किसी देश के खतरे को लंबे समय तक खत्म करना दो अलग-अलग बातें हैं। कुछ को यह भी डर है कि युद्ध के बाद ईरान के भीतर कट्टरपंथी ताकतें और मजबूत हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में वह परमाणु हथियार बनाने की दिशा में ज्यादा तेजी से आगे बढ़ने का फैसला कर सकता है। ईरान के पास अब भी करीब 440 किलोग्राम समृद्ध यूरेनियम मौजूद है, जिसे अमेरिका और उसके सहयोगी देश एक बड़ा खतरा मानते हैं।

यह भी साफ नहीं है कि ईरान अपने समृद्ध यूरेनियम के भंडार तक पहुंच सकता है या नहीं। माना जाता है कि जून में अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु ठिकानों पर गिरा मलबा इन गैस के कंटेनरों को ढक चुका है। पोस्ट से कहा कि इस युद्ध ने स्थिति को और ज्यादा मुश्किल बना दिया है।

भारत में एक साल में 24 अरबपति बढ़े

अब 229, लक्ष्मी मित्तल रोज ₹274 करोड़ कमाकर देश के चौथे सबसे अमीर बने

नई दिल्ली, एजेंसी

फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिलियनेयर्स 2026 लिस्ट के मुताबिक भारत में एक साल के अंदर 24 अरबपति बढ़े हैं। इनकी संख्या 2025 से बढ़कर 229 हो गई है। देश के चौथे सबसे अमीर लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस साल सबसे तेज उछाल देखा गया। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल के शेयरों में 80% से ज्यादा की तेजी आने से उनकी कुल दौलत 31 अरब डॉलर, यानी 2.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति में 20 अरब डॉलर, यानी 1.85 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस हिसाब से

मित्तल ने सालभर हर दिन औसतन 274 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कमाई की है। इस लिस्ट में फिजिक्सवाला के फाउंडर्स अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी शामिल हो गए हैं। फोर्ब्स इंडिया ने अपनी पहली रिच लिस्ट 2009 में लॉन्च की थी। ये लिस्ट फैमिली और इंडिविजुअल्स से मिली शेयरहोल्डिंग व फाइनेंशियल जानकारी, स्टॉक एक्सचेंज, एनालिस्ट्स और मार्केट डेटा के आधार पर तैयार की जाती है।

बढ़त : फरवरी में ये 2.13% पर पहुंची, खाने-पीने की चीजें और रोजाना जरूरत का सामान महंगा हुआ

थोक महंगाई 12 महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

फरवरी में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 2.13% पर पहुंच गई है। ये महंगाई का 12 महीने का हाई लेवल है। फरवरी 2025 में ये 2.38% पर पहुंच गई थी। इससे पहले जनवरी 2026 में थोक महंगाई 1.81% पर थी। वहीं दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 16 मार्च को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। विशेषज्ञों का मानना है।

कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग लंबी चली तो कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं। इससे पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है, जिससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और फल-सब्जी समेत हर जरूरी सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी। प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है।

फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। भारत में दो तरह की महंगाई होती है।

एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07% और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% पहुंची

फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% पहुंच गई है। इससे पहले जनवरी में यह 2.74% थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है।

होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है।

रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं

- » रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 2.21% से बढ़कर 3.27 हो गई।
- » खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 1.41% से बढ़कर 1.85% हो गई।
- » फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 4.01% से बढ़कर माइनस 3.78 हुई।
- » मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.86% से बढ़कर 2.92% रही।

भारत से 45,000 टन डीजल खरीदेगा बांग्लादेश

फ्रेंडशिप-पाइपलाइन से अप्रैल तक सप्लाई होगी, ईद से पहले ईंधन की किल्लत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत से अतिरिक्त डीजल इम्पोर्ट करने का फैसला किया है। अप्रैल तक भारत से कुल 45,000 टन डीजल बांग्लादेश पहुंचेगा। इसमें से 5,000 टन की पहली खेप पहुंच चुकी है, जबकि अगली खेप 18 या 19 मार्च तक पहुंचने की उम्मीद है। बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (BPC) के जनरल मैनेजर (ऑपरेशंस) मोहम्मद मुर्शिद हुसैन आजाद ने बताया कि 40,000 टन अतिरिक्त डीजल के इम्पोर्ट का प्रस्ताव मिल चुका है। लेटर ऑफ क्रेडिट (LC) और अन्य फॉर्मेलिटीज पूरी होते ही यह खेप भी अप्रैल तक आ जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच डीजल की सप्लाई को आसान बनाने के

लिए मार्च 2023 में 'भारत-बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन' (IBFP) का उद्घाटन किया गया था। इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली किया था। इससे पहले डीजल की सप्लाई रेल वैगनों के जरिए होती थी, जो काफी खर्चीली और समय लेने वाली प्रक्रिया थी। हालांकि, पिछले साल बांग्लादेश में हुए राजनीतिक बदलाव और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान इस पाइपलाइन से सप्लाई रुक गई थी। बांग्लादेश में हाल ही में हुए चुनावों के बाद जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने सत्ता संभाली, तो भारत के साथ ऊर्जा सहयोग फिर से पटरी पर लौट आया है। पिछले कुछ दिनों में ही पाइपलाइन के जरिए 5,000 टन डीजल की सप्लाई फिर से शुरू कर दी गई है। यह डीजल भारत की सरकारी कंपनी 'नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड' (NRL) से सीधे बांग्लादेश के पार्बतीपुर डिपो भेजा जा रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और इजराइल-ईरान जंग के कारण बांग्लादेश में ईंधन की कमी की आशंका पैदा हो गई थी। इसके चलते पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ जमा होने लगी थी और लोग पैनिक बाइंग कर रहे थे।

डॉक्टर को बीमारी बताने के बजाय पूछी अव्यवस्था तो पहचाने गए, अव्यवस्था पर भड़के
मरीजों के साथ लाइन में लगे डिप्टी सीएम

- डिप्टी सीएम बृजेश पाठके ने अस्पताल में पीने के पानी को चेक किया सही ना पाने पर सख्त नाराजगी जताई।
- डिप्टी सीएम ने सरकारी अस्पताल में मरीजों से उनका हालचाल पूछा। इस दौरान वहां मौजूद लोग उन्हें पहचान नहीं पाए।
- अस्पताल में साफ-सफाई ना मिलने पर संबंधित अफसरों को फटकार लगाई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सरकारी अस्पताल में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मरीजों के साथ खड़े होकर ओपीडी की पर्ची कटवाई। पैथालॉजी और दवा वितरण काउंटर पर भी लाइन लगाई। उन्हें कोई पहचान नहीं सका। वे पर्ची लेकर सीधे

ओपीडी में डॉक्टर के पास पहुंचे। डॉक्टर को बीमारी बताने के बजाय अस्पताल की व्यवस्था के बारे में पूछना शुरू किया। इस पर डॉक्टर ने उन्हें पहचान लिया। इसके बाद डिप्टी सीएम बाहर निकल आए और अस्पताल की दूसरी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में गंदगी मिलने पर वे भड़क उठे। उन्होंने कहा- जब तक सफाई नहीं हो जाएगी, कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। उन्होंने सफाई एजेंसी का 1 सप्ताह का भुगतान काटने का भी निर्देश दिया। ब्रजेश पाठक आज मास्क लगाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिनहट का निरीक्षण करने पहुंचे। करीब 54 मिनट के निरीक्षण में उन्होंने मरीजों से उनका हालचाल भी पूछा। स्वास्थ्यकर्मियों से बात की। डिप्टी सीएम जब जनरल वार्ड नंबर 28 पहुंचे तो वहां की स्थिति देखकर नाराज हो गए। वार्ड में कई बेड पर चादर नहीं बिछी थी।

> निरीक्षण के दौरान पीने के पानी की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। पानी की पाइप को जाली से बांधकर रखा गया था और आसपास गंदगी थी। इस पर डिप्टी सीएम ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

मोबाइल दुरुस्त करने के दिए निर्देश

केंद्र के सभागार में उस समय आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा था। आशाओं ने डिप्टी सीएम को बताया कि उनके मोबाइल फोन खराब हैं। जिससे काम में दिक्कत हो रही है। इस पर डिप्टी सीएम ने तुरंत सीएमओ डॉ. एनबी सिंह को फोन लगाकर मोबाइल ठीक कराने या बदलने के निर्देश दिए। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं का बकाया भुगतान भी तत्काल कराने को कहा। सीएमओ को तत्काल सीएचसी पहुंचकर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

बेड पर चादर ना मिलने पर भड़के

निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था, वार्डों की बदहाली और लापरवाही पर डिप्टी सीएम भड़क उठे। जनरल वार्ड में कई बेड पर चादर नहीं मिली। अस्पताल परिसर में गंदगी देख उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होगी, तब तक जिम्मेदार अधिकारी घर नहीं जाएंगे।

सफाई ना दिखने पर लगाई फटकार

इसके बाद वह पैथोलॉजी विभाग पहुंचे। यहां मरीजों की लंबी कतार लगी थी। उन्होंने टेक्नीशियन से पूछा कि एक मरीज का ब्लड सैंपल लेने में कितना समय लगता है? जवाब मिलने के बाद उन्होंने जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। ताकि मरीजों को ज्यादा देर तक इंतजार न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान एक्स-रे कक्ष के आसपास धूल-मिट्टी दिखाई दी। इस पर उन्होंने तुरंत सफाई कराने के निर्देश दिए।

कांग्रेसियों ने नाले में पाइप लगाकर सिलेंडर से जोड़ा
बोले- पीएम मोदी के फॉर्मूले पर ऐसा किया, पूरा नाला सूख गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में कांग्रेसियों ने नाले में पाइप लगाकर सिलेंडर से जोड़ा। फिर इससे चाय बनाकर पी। बताया कि पीएम मोदी के फॉर्मूले पर ऐसा किया। यह फॉर्मूला फेल रहा। पूरा नाला सूख गया लेकिन गैस एक सिलेंडर भी नहीं भर पाई। यह प्रदर्शन कांग्रेस के छात्र संगठन NSUI के सदस्यों ने कांग्रेस मुख्यालय पर किया। मुख्यालय के बाहर चाय की दुकान लगाई। दावा किया कि यह चाय LPG की कमी के चलते नाले के गैस से बनाई गई है। NSUI के सदस्य अखिलेश यादव ने कहा- मौजूदा समय में देशभर में गैस की भारी किल्लत है। इस समस्या को लेकर हम बेहद चिंतित थे। हम लोग इस गैस के संकट को खत्म करना चाहते थे, तभी हमने कभी साइंटिस्ट रहे अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक भाषण सुना। वह बता रहे थे कि लोग किस प्रकार नाले से गैस बना सकते हैं। पीएम ने जो फॉर्मूला दिया था नाले से गैस बनाने का उसी को हमने अप्लाई करके नाले की गैस पर चाय बनाने की कोशिश की। हम जिस जगह खड़े हैं, यह नाला पूरा भरा हुआ था। इससे एक ही सिलेंडर गैस बन पाई। इससे बहुत कम चाय बनी और यह चाय भी ठीक से नहीं बनी। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री का गैस वाला फार्मूला फेल हो गया है।अखिलेश ने कहा- हम साइंटिस्ट प्रधानमंत्री से कहना चाहते हैं कि हमें दूसरा फार्मूला दिया जाए ताकि हम अच्छी गैस बना सकें। एक सिलेंडर में ही यह नाला सूख हो गया। इसकी कैपेसिटी कम होने की वजह से बहुत परेशानी हो रही है।

फास्ट न्यूज

वेज थाली में निकला मांस का टुकड़ा

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित फूड वैली के हाउस ऑफ रॉयल्स की वेज थाली में मांस का टुकड़ा निकलने पर हंगामा मच गया। शनिवार रात कुछ लोग खाना खाने पहुंचे थे। सभी ने अलग-अलग वेज आइटम ऑर्डर किए। ऑर्डर आने के बाद खाना शुरू किया तो उसमें मांस का टुकड़ा निकला। इस पर ग्राहकों ने हंगामा शुरू कर दिया। प्रयागराज के प्रीतमनगर से हेमंत कुमार सिंह अपने 14 साथियों के साथ लखनऊ आए थे।

ट्रेन से कटकर महिला के दो टुकड़े हुए

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर स्टेशन पर आज 45 वर्षीय महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि महिला का शरीर दो हिस्सों में बंट गया। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान कुसुम चौहान (45) पत्नी सुरेश कुमार के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार कुसुम अपने बीमार रिश्तेदार को देखने के लिए बलरामपुर जिले से लखनऊ आई थी। बताया जा रहा है कि कुसुम की बेटी महक की सास लारी में भर्ती हैं। जिन्हें देखने के लिए वह लखनऊ आई थी। परिजनों के मुताबिक सोमवार को उन्हें वापस लौटना था। इसके लिए उन्हें गोमती नगर स्टेशन से ट्रेन पकड़नी थी। कुसुम के भाई प्रमोद कुमार ने बताया कि ट्रेन में चढ़ने के दौरान अचानक कुसुम का पैर फिसल गया और वह सीधे ट्रेन की चपेट में आ गईं।

शहीद पथ पर 3 कारों की टक्कर

मोहनलालगंज। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शहीद पथ पर सोमवार को 3 कारों की टक्कर हो गई। डायल-112 के सामने हुई इस घटना में 1 कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में 3 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, 1 कार के अचानक ब्रेक जाम हो जाने से उसके पीछे चल रही दो अन्य कारें उससे टकरा गईं।

हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव किया जायेगा निदान : केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय। समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न , भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय -7 कालीदास मार्ग पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे

थे। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए । जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, , भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने,सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत बुलन्दशहर, मिर्जापुर, अम्बेडकर-नगर, शामली, प्रतापगढ़ व फर्रूखाबाद के जिला अधिकारी, सम्भल, चित्रकूट, ललितपुर, बदायूं, शामली, रायबरेली व बहराइच के पुलिस अधीक्षक व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

गैस न मिलने पर हुसड़िया चौराहा जाम किया
100 लोग सिलेंडर लेकर सड़क पर खड़े हुए, राहगीरों से भिड़े

- पुलिस अधिकारियों ने सबके सिलेंडर सड़क से हटाकर किनारे रख दिए।
- पहुंची पुलिस ने लोगों को मनाने का प्रयास किया। सिलेंडर सड़क से हटाकर लोगों को भी किनारे किया।
- रास्ते से निकलने वाले आम लोगों से प्रदर्शनकारियों ने बहस की। लाइन से सिलेंडर रखकर सड़क बंद कर दी थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। गैस सिलेंडर न मिलने से गुस्साए लोगों ने हुसड़िया चौराहे पर सड़क जाम कर दी। करीब 100 लोग सिलेंडर लेकर पहुंचे। सड़क पर सिलेंडर रखकर रास्ता रोक दिया। सूचना पर पुलिस टीम पहुंची। लोगों के सिलेंडर उठा-उठाकर आने-जाने वाली गाड़ियों को रास्ता दिलाया। मामला विराम खंड स्थित देवा पैलेस में गोमती भारत गैस

एजेंसी के बाहर का है। सिलेंडर न मिलने से यहां दोपहर करीब 1 बजे गहमागहमी का माहौल बन गया। लोगों को पुलिस समझा रही थी, लेकिन वे हट नहीं रहे थे। सड़क जाम कर रहे लोगों ने राहगीरों को रोकने की कोशिश की, जिससे बहस भी हुई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर सड़क खाली कराई। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद जाम खत्म हो गया और यातायात सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से शहर के कई इलाकों में गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर दिक्कत सामने आ रही है। जाम के दौरान कुछ लोगों ने राहगीरों को रोकने की कोशिश भी की, जिसको लेकर बहस की स्थिति बन गई। हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत कराया गया और लोगों को समझाकर सड़क खाली कराई गई। पुलिस के समझाने के बाद प्रदर्शन खत्म हुआ और यातायात दोबारा सामान्य हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से शहर के कई इलाकों में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर परेशानी सामने आ रही है, जिससे आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

डीएम ने एजेंसियों को जारी किए निर्देश

गैस सिलेंडर को लेकर सामने आ रही शिकायतों के बाद लखनऊ के जिलाधिकारी ने सभी गैस एजेंसियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि जिन उपभोक्ताओं ने सिलेंडर की बुकिंग कराई है, उन्हें घर तक होम डिलीवरी के माध्यम से सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि उपभोक्ताओं को एजेंसी या गोदाम से सीधे सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि होम डिलीवरी व्यवस्था को सख्ती से लागू कर उपभोक्ताओं को परेशानी से बचाने का प्रयास किया जा रहा है।गैस न मिलने पर हुसड़िया चौराहा जाम किया :100 लोग सिलेंडर लेकर सड़क पर खड़े हुए।

झगड़े की पंचायत में पत्नी को भी घायल किया, चाकू से ताबड़तोड़ हमले किए
दामाद ने सास-साले को मार डाला

- बच्चों ने बताया- पापा हम लोगों से प्यार नहीं करते है। वह बहुत ही गंदे है।
- साइमा को एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी है।

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में सोमवार को पंचायत के दौरान दामाद ने सास और साले की हत्या कर दी। उसका अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। उसी को लेकर पंचायत बुलाई गई थी। तभी दामाद ने ससुरालवालों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में उसकी पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हो गई है। वारदात इज्जतनगर थाना क्षेत्र के रहपुरा चौधरी की है। अफसर खान बरेली के रहपुरा चौधरी का रहने वाला है। उसके दो बच्चे- फैज (8) और आयशा (5) हैं। अफसर का अपनी पत्नी साइमा खान

आदिल, मृतक

आसमा, मृतक

(30) से आए दिन झगड़ा होता रहता है। इसके चलते साइमा पिछले 5 दिनों से पास में ही स्थित अपने मायके में रह रही थी। सोमवार को इस झगड़े को खत्म करने के लिए पंचायत बुलाई गई थी। अफसर के घर से 50 मीटर दूर ज्वेलर राशिद खान के घर पर पंचायत चल रही थी। झगड़ा सुलझाने के लिए दोनों के परिवारवालों को भी बुलाया गया था। पचायत में अफसर अपने साथ चाकू भी लाया था। बातचीत के दौरान अचानक वह उग्र हो गया। उसने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। साइमा की बहन साहिबा ने बताया- जीजा एंबुलेंस चलाते हैं। वो पहले भी कई बार मारपीट कर चुके हैं। 9 साल पहले मेरी बहन साइमा की उनसे शादी हुई थी। रविवार को (कल) भी उन्होंने मारपीट की थी। तब 112 पर फोन करके पुलिस बुलाई गई थी। इस पर वह घर से भाग गए थे। आज पंचायत के लिए बुलाया गया, तभी उन्होंने हमला कर दिया। भाई और मां की मौत हो गई है। दीदी की हालत गंभीर है। अफसर के बेटे फैज ने बताया- मेरे पापा मम्मी को रोज मारते थे। आज पापा ने मेरे मामू और नानी की चाकू मारकर हत्या कर दी है। मम्मी को भी चाकू मारे हैं। उनको अस्पताल ले जाया गया है। पापा हम लोगों से प्यार नहीं करते। वो बहुत गंदे हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया- एक आदमी ने अपनी सास और साले की चाकू मार कर हत्या कर दी है। पत्नी भी घायल है। घटना को लेकर परिवारवालों से बात की गई है। पता चला है कि पति-पत्नी का झगड़ा था। इसी समाधान के लिए राशिद के घर पर पंचायत बुलाई गई थी। इसमें ससुराल पक्ष के 3 लोग और राशिद का परिवार मौजूद था। पंचायत के दौरान भी झगड़ा हो गया। इसी दौरान आरोपी अफसर खान ने चाकू से हमला कर दिया।

> अफसर खान ने अपनी सास आसमा (54) और साले आदिल (20) पर चाकुओं से कई वार किए। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बीच-बचाव करने आई पत्नी साइमा को भी उसने नहीं बख्शा। उसे भी चाकू से गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। साइमा को एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी है।

एमएसएमई विभाग की योजनाओं की प्रगति पर मंत्री राकेश सचान ने की समीक्षा बैठक
वित्तीय वर्ष समाप्ति से पहले बजट का पूरा उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने सोमवार को निर्यात भवन, कैसरबाग में विभागीय योजनाओं के वित्तीय बजट (वर्ष 2025-26) की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं की प्रगति, बजट व्यय और लंबित परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष के समापन से पहले सभी योजनाओं में बजट का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए और लंबित परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समयसीमा के भीतर लक्ष्य हासिल करना होगा। अधिकारियों ने

जानकारी दी कि 31 मार्च तक बजट के शेष हिस्से को भी खर्च करने की प्रक्रिया जारी है। बैठक में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण और आधुनिक टूलकिट उपलब्ध कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत बढ़ई, लोहार, कुम्हार, दर्जी, मोची सहित कई पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा उन्हें उन्नत टूलकिट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण और टूलकिट वितरण की प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि अधिक से अधिक कारीगरों को लाभ मिल सके। इसके अलावा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और एक जनपद एक उत्पाद योजना की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत बड़ी संख्या में युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण और मार्जिन मनी उपलब्ध कराई गई है। बैठक में यह भी बताया गया कि ओडीओपी वित्त पोषण सहायता योजना के अंतर्गत हजारों उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

पृष्ठ 01 का शेष...

माफियाओं की ...

उन्होंने कहा, जब मैं लाभार्थियों से बात कर रहा था, तो उन्होंने स्वयं बताया कि कैसे शासन की योजनाएं उन्हें मिल चुकी हैं। 1.06 लाख निराश्रित महिला, वृद्धा को हर साल 12 हजार रुपए दे रहे हैं। वंचित दलित और अति पिछड़े समाज को योजनाओं का लाभ मिलता है, तो उसका जीवन स्तर ऊंचा उठता है। हमने एक करोड़ से अधिक घरौनी आवंटित की है। स्ट्रीट वेंडर के बारे में कोई सोचता नहीं था। पीएम स्वनिधि योजना के तहत उन्हें लोन दिया जा रहा है। गांव हो या नगर, कोई युवा अपना उद्यम शुरू करना चाहता है तो ब्याज मुक्त, मार्जिन मुक्त पांच लाख रुपए दिए जा रहे हैं। CM योगी ने कहा, पीएम आवास योजना के 90 हजार लाभार्थियों को बधाई। हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसके पास अपना एक घर हो। मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति मानी गई है। इसी कारण उसमें अपना पक्का मकान बनाने का सामर्थ्य है। जीव भी रहने के लिए ठौर बनाता है। कोई गुफा में तो कोई घोंसला बनाते हैं। पीएम मोदी की मदद से यूपी में अब तक 62 लाख परिवारों को आवास दे चुके हैं। 2017 से पहले इन गरीबों के लिए आवास नहीं बनता था। सीएम ने कहा, जब व्यक्ति स्वयं के स्वार्थ में डूबा रहता है तो उसकी संवेदना मर जाती है। जब व्यक्ति समग्र दृष्टि से देखता है तो सबके बारे में सोचता है। 2017 से पहले की सरकार अपने बारे में, अपने नाते-रिश्तेदारों के बारे में सोचती थी। 2017 के बाद जब भाजपा की सरकार आई तो हमने 25 करोड़ को अपना परिवार माना और उनके जीवन को आगे बढ़ाने में जुटे। सहारनपुर में 10 हजार, प्रतापगढ़ में 7 हजार, शाहजहांपुर में 4 हजार, फिरोजाबाद में 4 हजार से अधिक, सीतापुर में तीन हजार से अधिक, गोरखपुर में 3 हजार से अधिक मकान आवंटित हुए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अवधी भाषा में अपनी बात रखी। उन्होंने पूछा, 17 के पहले क्या मकान मिल रहा था? फिर कौए और कोयल की कहानी सुनाई। सपा वालों की कौए से तुलना की। कहा, ये रहे तो मतलब अपशगुन है। 2014 से पहले मकान-दुकान, प्लॉट पर सपा वाले कब्जा कर लेते थे। सपा वालों का नारा था- खाली दुकान, मकान, प्लॉट हमारा है। भाजपा सरकार पीएम आवास, गैस कनेक्शन, बिजली सबकुछ दे रही है। पहले बिजली सिर्फ रामपुर और सैफई में ही मिलती थी। नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा, दो महीने भी पहले इसी तरह के एक कार्यक्रम में 2.09 लाख शहरी परिवारों को पैसे ट्रांसफर किए गए थे। तब कई परिवार वंचित रह गए थे। ऐसे परिवारों को शामिल करने के लिए 90 हजार और परिवारों को राशि ट्रांसफर की जा रही है। मैं गारंटी देता हूं कि जल्द ही दूसरी किस्त भी जारी होगी। आजादी के 70-75 साल बाद गरीबों के सिर पर छत दी जा रही है। इसमें भी महिलाओं को वरीयता दी जा रही है। पीएम आवास के दूसरे चरण में दी गई राशि के मामले में यूपी नंबर एक पर चल रहा है। पीएम स्वनिधि योजना में भी हम लोग नंबर एक पर हैं। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, 90 हजार परिवारों के लिए आज खुशी का दिन है। एक चिड़िया उड़ कर जाती है, तो उसकी इच्छा होती है कि उसके पास अपना घोंसला हो। मैं उम्मीद करता हूं कि एक परिवार के लिए एक आवास कितनी बड़ी आवश्यकता है।

'पहले जो टैंकर ...

क्योंकि देश का करीब 90% LPG आयात खाड़ी क्षेत्र से होता है। फारस की खाड़ी में अभी 22 भारतीय जहाज और 611 भारतीय नाविक मौजूद हैं, जिनकी सुरक्षा और आवाजाही पर नजर रखी जा रही है। इस बीच सोमवार शाम 5 बजे LPG कैरियर जहाज शिवालिक होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर भारत पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर सहयोगी देश ईरान मामले में मदद नहीं करते तो NATO का भविष्य खराब हो सकता है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद नहीं करते, तो गठबंधन की स्थिति कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन की मदद की, जबकि वह उससे हजारों मील दूर है, अब यह देखना होगा कि सहयोगी देश अमेरिका की मदद करते हैं या नहीं। इस बीच जर्मनी ने साफ कर दिया है कि वह ईरान से जुड़े युद्ध में शामिल नहीं होगा और न ही सैन्य बल के जरिए होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने के किसी अभियान में हिस्सा लेगा।

ममता की दोनों ...

भाजपा ने बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर से टिकट दिया है। भाजपा ने बंगाल से पहले केरल में भी उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। 140 में से 47 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी ने राज्य के भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर को नेमोम सीट से मैदान में उतारा है। चंद्रशेखर 2024 लोकसभा चुनाव में तिरुवनंतपुरम सीट से कांग्रेस सांसद शशि थरूर से हार गए थे। पश्चिम बंगाल- 3 बार से ममता बनर्जी ही मुख्यमंत्रीः 14 साल से CM ममता के सामने BJP मुख्य चुनौती है।

बिहार की 5 ...

यानी 5 सीटों का फायदा हुआ। वहीं, 3 राज्य हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 सीटों में पहले एनडीए के पास 4 सीटें थीं। चुनाव के बाद 7 सीटें मिलने के आसार हैं। यानी यहां 3 सीटों का फायदा हो सकता है। इस तरह एनडीए को कुल 8 सीटों का फायदा होने के आसार हैं।

छुट्टी नहीं देने पर बैंक मैनेजर की हत्या
ऑफिस के अंदर गार्ड ने सीने में गोली मारी, राइफल लेकर भागा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पंजाब एंड सिंध बैंक के मैनेजर अभिषेक शर्मा (34 साल) की गार्ड ने गोली मारकर हत्या कर दी। वह बिहार के रहने वाले थे। गार्ड रवींद्र कई दिनों से मैनेजर अभिषेक से छुट्टी मांग रहा था। सोमवार दोपहर करीब 1:45 बजे वह मैनेजर के पास पहुंचा। जहां छुट्टी को लेकर अभिषेक शर्मा से उसका विवाद हो गया। इसी बीच रवींद्र ने बंदूक से उनकी छाती पर गोली मार दी। अभिषेक लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गए। बैंक में अचानक फायरिंग से लोग दहशत में आ गए। इसी बीच आरोपी गार्ड अपने एक अन्य साथी के साथ मौके से भाग निकला। बैंक स्टाफ ने मैनेजर को बाइक से दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। घटना से जुड़ा बैंक के गेट का एक CCTV सामने आया है, जिसमें गार्ड

अभिषेक शर्मा, मृतक

अपने साथी के साथ दिख रहा था। उसके भागने के कुछ मिनट बाद बैंक मैनेजर को लोग उठाकर ले जाते दिखे। वारदात लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के बलराम नगर इलाके की है। मामले में ACP ज्ञान प्रकाश राय ने बताया, आरोपी गार्ड बागपत का रहने वाला है। काफी समय से छुट्टी को लेकर मैनेजर अभिषेक शर्मा से विवाद था। इसके चलते उसने यह घटना अंजाम दी। आरोपी की तलाश के लिए टीमें लगा दी हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676